भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
आतारांकित प्रश्न संख्या 280
दिनांक 04.02.2025 को उत्तरार्थ

स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन सर्वेक्षण

+280. थिरु दयानिधि मारन :

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपया करेंगे कि :

- (क) कितने राज्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी से गांव का सर्वेक्षण एवं मानचित्रण)स्वामित्व योजना को शामिल किया है एवं मदवार और राज्यवार खर्च की गई निधियों का ब्यौरा क्या है ;
- (ख) ड्रोन सर्वेक्षणों की सटीकता का ब्यौरा क्या है तथा विभिन्न भू भागों और क्षेत्रों में किस हद तक उन्हें एकरूपता के साथ बनाए रखा गया है तथा ड्रोन सर्वेक्षण परिणामों में विसंगतियों से उत्पन्न होने वाले संभावित विवादों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है ;
- (ग) सरकार विभिन्न तरह के कार्यान्वयन के साथ राज्यों में भूमि प्रबंधन और संपत्ति के अधिकारों में किस प्रकार एकरूपता सुनिश्चित करती है ;
- (घ) इस योजना के कार्यान्वयन में कठिनाइयों का सामना कर रहे राज्यों को प्रदान की जा रही वित्तीय और तकनीकी सहायता का ब्यौरा क्या है और क्या ड्रोन मानचित्रण को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्यों के लिए अतिरिक्त वित्तीयन या प्रोत्साहन का कोई प्रावधान है ,और
- (ङ) सरकार द्वारा ऐसे मामलों में विवादों का शीघ्रता से समाधान करने के लिए स्थापित किए जा रहे तंत्रों का ब्यौरा क्या है जिनमें व्यक्तियों या समुदायों द्वारा संपत्ति कार्डों का विरोध किया गया है सरकार ग्रामीण भूमि खंडों पर अतिव्याप्ति दावों से संबंधित विरासत संबंधित मुद्दों का किस हद तक समाधान करती है ?

उत्तर

पंचायती राज राज्य मंत्री

(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) 31 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने योजना के कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं (राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की सूची **अनुबंध-I** पर उपलब्ध है)।

डोन का उपयोग करके बड़े पैमाने पर मानचित्रण (एल.एस.एम.) और सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (सी.ओ.आर.एस.) की स्थापना के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग को धन उपलब्ध कराया जाता है। सूचना, शिक्षा और संचार (आई.ई.सी.) गतिविधियों और राज्य परियोजना निगरानी इकाइयों (एस.पी.एम.यू.) की स्थापना के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को प्रत्यक्ष वित्त पोषण प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय परियोजना निगरानी इकाई (एन.पी.एम.यू.), स्थानिक नियोजन एप्लिकेशन 'ग्राम मानचित्रण' में वृद्धि, केंद्रीय बुनियादी ढांचे और अन्य तकनीकी और सॉफ्टवेयर आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.-सर्विसेज इनकॉर्पोरेशन के माध्यम से) को धन प्रदान किया जाता है। राज्यवार और घटकवार वित्त पोषण विवरण **अनुलग्नक-II** पर उपलब्ध है।

(ख) स्वामित्व योजना के तहत डोन सर्वेक्षण 1:500 के पैमाने के रिज़ॉल्यूशन और ± 5 सेमी की सटीकता के साथ गांव आबादी क्षेत्र के मानचित्र प्रदान करता है। किसी भी संपत्ति विवाद को संबोधित करने के लिए, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अपने संबंधित राजस्व या पंचायत राज अधिनियमों के तहत विशिष्ट नियम स्थापित किए हैं। ये नियम नक्शों और संपत्ति कार्डों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं, और इसमें आपत्ति अवधि के प्रावधान भी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान, संपत्ति मालिकों को अंतिम संपत्ति कार्ड तैयार करने से पहले किसी भी दावे या आपत्तियां उठाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिससे किसी भी संभावित विसंगति या विवाद का समाधान करने में मदद मिलती है।

(ग) विभिन्न राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों में सुसंगत भूमि प्रबंधन और संपत्ति अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए, एस.ओ.आई. के परामर्श से एक मानकीकृत संचालन प्रक्रिया/प्रक्रिया प्रवाह विकसित किया गया है। यह रूपरेखा आबादी भूमि रिकॉर्ड तैयार करने के लिए सर्वेक्षण-पूर्व, सर्वेक्षण और सर्वेक्षण-पश्चात की गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करती है। मानकीकरण संपत्ति डेटा विशेषताओं (स्कीमा), जी.आई.एस. डेटाबेस और सिम्बोलॉजी तक फैला हुआ है।

(घ) इस योजना के तहत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन भागीदार के रूप में भारतीय सर्वेक्षण विभाग कार्य करता है। इसकी जिम्मेदारियों में डोन सर्वेक्षण और मानचित्रों का डिजिटलीकरण, सी.ओ.आर.एस. नेटवर्क स्थापित करना और राज्य के अधिकारियों को जमीनी सच्चाई का पता लगाने और सी.ओ.आर.एस. नेटवर्क का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करना शामिल है। डोन मैपिंग के लिए सीधे भारतीय सर्वेक्षण विभाग को धन मुहैया कराया जाता है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आई.ई.सी. गतिविधियों और राज्य परियोजना निगरानी इकाई (एस.पी.एम.यू.) की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता मिलती है।

(ङ) स्वामित्व योजना लागू करने वाले प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के पास ऐसे विवादों को हल करने के लिए राज्य भूमि अधिनियमों/नियमों के तहत प्रावधान और विस्तृत प्रक्रिया है। SVAMITVA योजना डोन-आधारित सर्वेक्षणों द्वारा गांवों के ग्रामीण आबादी (आबादी) क्षेत्र को संपत्ति रिकॉर्ड को डिजिटल करके लंबे समय से चले आ रहे संपत्ति विवादों को हल करने में सहायता करती है। राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने नक्शों और संपत्ति कार्डों

को अंतिम रूप देने के लिए अपने राजस्व या पंचायत राज अधिनियमों के तहत विशिष्ट अधिनियम/नियम निर्धारित किए हैं। इन नियमों में एक आपत्ति अवधि शामिल है, जो संपत्ति मालिकों को अंतिम संपत्ति कार्ड तैयार होने से पहले दावे या आपत्तियां उठाने की अनुमति देती है। यह प्रक्रिया सटीक भूमि रिकॉर्ड सुनिश्चित करती है और संभावित विसंगतियों या विवादों का समाधान करती है। इसके अलावा, ये अधिनियम और नियम भूमि रिकॉर्ड में ऐतिहासिक अस्पष्टता से उत्पन्न विरासत संबंधी मुद्दों सहित विवादों को संबोधित करने के लिए प्रक्रियाएं निर्धारित करते हैं।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत ड्रोन सर्वेक्षण' के संबंध में दिनांक 04.02.2025 को उत्तरित लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 280 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

स्वामित्व योजना को शुरू करने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग (एसओआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश

क्रमांक	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश
1	अंडमान और निकोबार
2	आंध्र प्रदेश
3	अरुणाचल प्रदेश
4	असम
5	छत्तीसगढ़
6	दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली
7	गुजरात
8	हरियाणा
9	हिमाचल प्रदेश
10	जम्मू और कश्मीर
11	झारखंड
12	कर्नाटक
13	केरल
14	लद्दाख
15	लक्षद्वीप
16	मध्य प्रदेश
17	महाराष्ट्र
18	मणिपुर
19	मिजोरम
20	ओडिशा
21	पुडुचेरी
22	पंजाब
23	राजस्थान
24	त्रिपुरा
25	उत्तर प्रदेश
26	उत्तराखंड
27	सिक्किम
28	गोवा
29	तमिलनाडु
30	तेलंगाना
31	दिल्ली

अनुलग्नक-II

लोकसभा के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक 'स्वामित्व योजना के अंतर्गत ड्रोन सर्वेक्षण' के संबंध में 04.02.2025 को उत्तरित सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 280।

30.01.2025 तक स्वामित्व योजना के अंतर्गत घटक-वार निधियों की रिलीज

घटक	धनराशि ₹ में
सतत प्रचालन संदर्भ प्रणाली (कॉर्स) नेटवर्क*	1,16,54,14,455
ड्रोन का उपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर मैपिंग (एल.एस.एम).*	2,49,53,16,599
आई.ई.सी. और राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (एस.पी.एम.यू.) #	6,75,70,233
एन.आई.सी. जर्नल स्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन	35,00,40,987
कार्यशाला	32,75,453
कुल	4,08,16,17,727

* कॉर्स और एल.एस.एम. घटकों को स्वामित्व (SVAMITVA) योजना में शामिल 31 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

आई.ई.सी. और एसपीएमयू घटकों को उपयोगिता प्रमाणपत्र की मांग और प्रस्तुति के आधार पर राज्यों को वित्त पोषित किया जाता है

स्वामित्व योजना के अंतर्गत आई.ई.सी. और एस.पी.एम.यू. घटकों के लिए 30.01.2025 तक राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को निधियों की रिलीज

संगठन/राज्य/संघ शासित प्रदेश	धनराशि ₹ में
आंध्र प्रदेश	26,70,000
अरुणाचल प्रदेश	16,54,250
असम	1,09,84,750
छत्तीसगढ़	13,14,500
दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव	2,19,750
गुजरात	29,86,338
हरियाणा	21,61,270
हिमाचल प्रदेश	41,15,250
कर्नाटक	7,75,125
केरल	3,84,375
लद्दाख	30,375
मध्य प्रदेश	92,77,500
महाराष्ट्र	10,52,500
मिजोरम	2,77,750
ओडिशा	11,50,000
पंजाब	60,04,500
राजस्थान	61,40,000
त्रिपुरा	3,87,000
उत्तर प्रदेश	1,44,75,000
उत्तराखंड	15,10,000
कुल	6,75,70,233